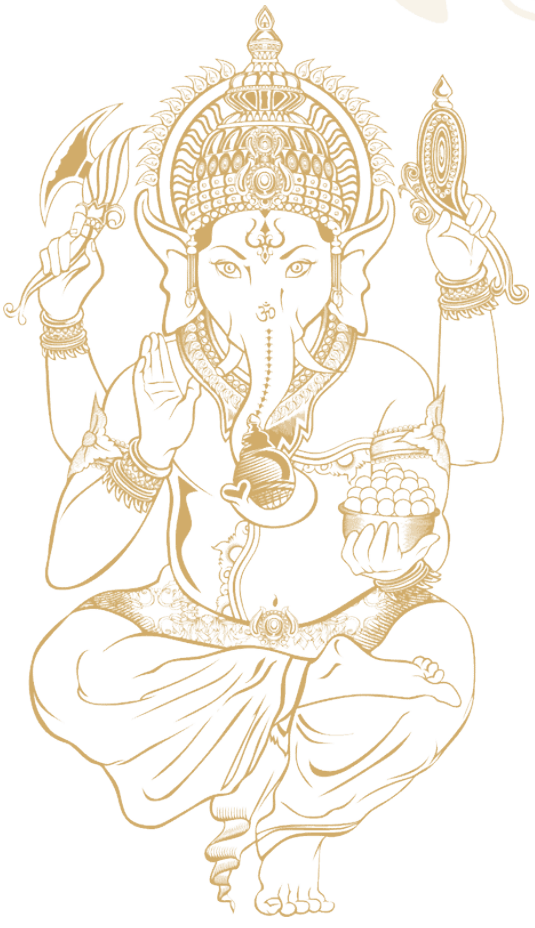

Mr. Himanshu

Ms. Umang

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121024304

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15/11/1997 :	जन्म तिथि	: 09/10/1998
शनिवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 22:35:40 :	जन्म समय	: 16:16:40 घंटे
घटी 40:11:28 :	जन्म समय(घटी)	: 25:06:19 घटी
India :	देश	: India
Daryapur :	स्थान	: Jhalawar
20:56:00 उत्तर :	अक्षांश	: 24:36:00 उत्तर
77:20:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:31:04 :	सूर्योदय	: 06:20:36
17:39:28 :	सूर्यास्त	: 18:04:38
23:49:33 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 7मा 10दि	10:06:34	कर्क	लग्न	कुंभ	16:51:48	चन्द्र 7वर्ष 9मा 16दि
राहु	29:32:45	तुला	सूर्य	कन्या	22:06:10	राहु
28/06/2011	14:30:59	वृष	चंद्र	वृष	12:56:29	26/07/2013
27/06/2029	11:03:56	धनु	मंगल	सिंह	07:20:33	26/07/2031
राहु 10/03/2014	17:44:25	वृश्चि	बुध	तुला	01:54:52	राहु 07/04/2016
गुरु 02/08/2016	20:37:50	मक	गुरु व	कुंभ	26:19:19	गुरु 31/08/2018
शनि 09/06/2019	16:13:24	धनु	शुक्र	कन्या	16:44:53	शनि 07/07/2021
बुध 27/12/2021	20:32:14	मीन व	शनि व	मेष	07:26:49	बुध 25/01/2024
केतु 14/01/2023	23:34:34	सिंह व	राहु व	सिंह	06:38:11	केतु 11/02/2025
शुक्र 14/01/2026	23:34:34	कुंभ व	केतु व	कुंभ	06:38:11	शुक्र 12/02/2028
सूर्य 09/12/2026	11:21:01	मक	हर्ष व	मक	15:00:35	सूर्य 06/01/2029
चन्द्र 08/06/2028	03:44:44	मक	नेप व	मक	05:32:54	चन्द्र 08/07/2030
मंगल 27/06/2029	11:10:31	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:14:58	मंगल 26/07/2031

लग्न-चलित

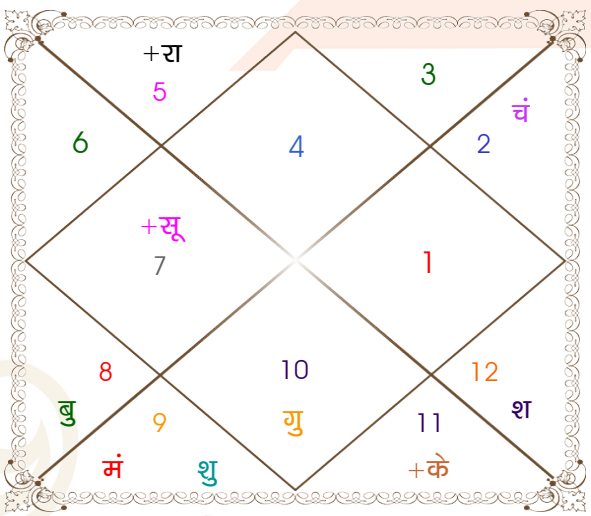

लग्न-चलित

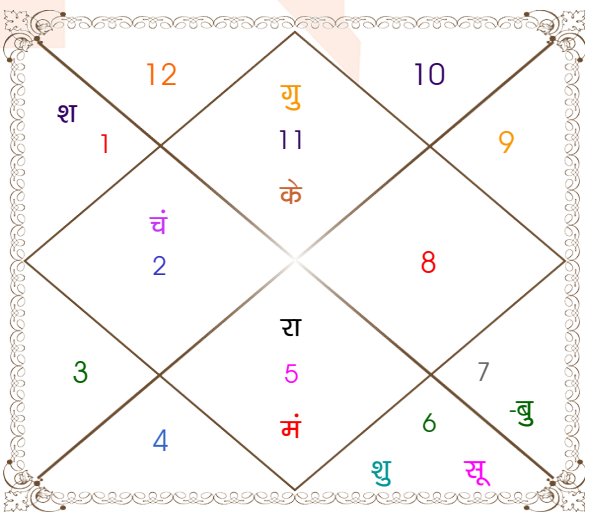

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण भ्पउंदीन का नक्षत्र रोहिणी है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण न्उंदह का नक्षत्र रोहिणी है।

डतण भ्पउंदीन का वर्ग मृग है तथा डेण न्उंदह का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण भ्पउंदीन और डेण न्उंदह का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण भ्पउंदीन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण न्उंदह मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण न्उंदह कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डेण् ब्उंदह कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण् भ्पउंदीन कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् भ्पउंदीन तथा डेण् ब्उंदह में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।